M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2010

03450

MES-053 : EDUCATIONAL MANAGEMENT, PLANNING AND FINANCE

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are **compulsory**.*
*(ii) All questions carry **equal** weightage.*

Answer the following question in about *600* words.

1. Good management of schools is the professional responsibility of the principals of the schools. The teachers have no role to play unless asked by the principal. Discuss critically the statement.

OR

Discuss weaknesses and the strengths of educational planning at different levels in India. Explain the main factors which would make educational planning a realistic exercise.

2. Discuss the merits and demerits of raising tuition fees at the secondary and University level to make education self sufficient support your answer with suitable examples.

OR

Discuss the relationship between globalisation, privatisation and internationalisation. How does each influence the others? Explain.

3. Answer *any four* of the following in about ***150*** words each.

(a) Discuss briefly the significance of scientific management approach in educational administration.

(b) Describe the reforms needed to make the system of educational planning more realistic, purposeful and goal oriented .

(c) Explain briefly the advantages and disadvantages of conventional budgeting system in education.

(d) Explain briefly the significant trends in educational expenditure during the post independence period.

(e) Explain briefly the challenges of the present decentralisation system in education in India.

(f) what is academic freedom to a teacher ? Should there be complete autonomy in the classroom?

4. Answer the following question in about *600* words.

Discuss the relationship between the education and socio - economic development of a country. As an experienced teacher, how would you enable the educational system to accelerate the process of socio - economic development in India ?

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

एम.ई.एस-053 : शैक्षिक प्रबंधन, आयोजन और वित्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की ***भारिता समान*** *है।*

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखें।

1. विद्यालय का उत्तम प्रबंधन विद्यालय के प्राचार्य का व्यवसायिक उत्तरदायित्व है। प्राचार्य की अपेक्षा के बिना अध्यापकों की इस में कोई भूमिका नहीं होती है। इस कथन पर आलोचनात्मक चर्चा करें।

अथवा

भारत में विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक आयोजना के कमज़ोर एवं सशक्त पहलुओं पर चर्चा करें। शैक्षिक आयोजना की क्रिया को वास्तविक बनाने वाले मुख्य कारकों की व्यख्या करें।

2. शिक्षा को आत्मनिर्भर बनाने हेतु माध्यमिक एवं विश्वविद्यालय स्तर पर शुल्क वृद्धि के पक्ष व विपक्ष में तर्क देते हुए चर्चा करें। अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण दें।

अथवा

वैश्वीकरण, निजीकरण और अन्तर्राष्ट्रीकरण के बीच सहसम्बंध पर चर्चा करें। इन में से प्रत्येक अन्य दो को किस प्रकार प्रभावित करता है? व्याख्या करें।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखें।

(a) शैक्षिक प्रशासन में वैज्ञानिक प्रबंधन उपागम के महत्त्व पर संक्षेप में चर्चा करें।

(b) शैक्षिक आयोजना की प्रक्रिया को अधिक वास्तविक, सोद्देश्यपूर्ण और लक्ष्य-अन्मुखी बनाने हेतु आवश्यक सुधारों का वर्णन करें।

(c) शिक्षा में पारम्परिक बजट व्यवस्था के लाभ एवं हानियों की संक्षेप में व्याख्या करें।

(d) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के काल में शैक्षिक व्यय में महत्त्वपूर्ण प्रवृत्तियों की संक्षेप में व्याख्या करें।

(e) भारत में शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान विकेंद्रीकरण व्यवस्था की चुनौतियों की संक्षेप में व्याख्या करें।

(f) अध्यापक के लिये अकादमिक स्वतंत्रता से क्या अभिप्राय है? क्या कक्षा में अध्यापक को पूर्ण स्वायतत्ता प्राप्त होनी चाहिये?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखें।

किसी देश में शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास के बीच सहसम्बंध पर चर्चा करें। एक अनुभवी अध्ययापक होने के नाते आप सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रक्रिया में गति लाने के लिये क्या उपाय करेंगे?